



राजयोगिनी ब्र.कु. उषा बहन, वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

गर्ताक से आगे...

पिछले अंक में आपने पढ़ा कि स्थिति ऐसी पॉवरफुल बनानी है कि शरीर का कर्मभोग आत्मा के योगबल को हिला न सके। इतना अन्दर में योगबल को जमा करना है। तो बाबा की सकाश से अन्दर आत्मा में बल जमा करते जायें, जो इन पेपरों को क्रॉस करना आसान हो जाये। अब आगे...

तीसरा, बाबा कहते हैं बाबा से सकाश लेने का आधार है, लाइट और माइट की स्थिति। लाइट हाउस, माइट हाउस बन जाये। जैसे लाइट-माइट हाउस जो है वो खाली मार्गदर्शन देता है। इतना ही नहीं मार्गदर्शन तो जरूर हमारा करता ही है लेकिन साथ में हमारा वो रास्ता स्पष्ट हो जाये कि मुझे किस दिशा में जाना है? सवरे बाबा से लाइट और माइट की किरणें लेकर अपना रास्ता, अपना मार्गदर्शन स्पष्ट कर दें। तो लाइट हाउस, माइट हाउस की स्थिति में स्थित रहेंगे उतना बाबा जो पॉवरफुल सूर्य है वो सूर्य उस लाइट हाउस, माइट हाउस में शक्ति भी भरेगा, सकाश भी भरेगा और आगे के लिए हमारा मार्गदर्शन क्लियर हो

जानें...

सम्पूर्ण अन्तवाहक फरिश्ता स्वरूप की इस पहन विवरण करें

दृढ़ता सम्पन्न अभ्यास नहीं तो प्राप्ति नहीं...

जायेगा कि पुरुषार्थ की दिशा किस तरह की हमारी होनी चाहिए।

साथ ही साथ बाबा से, सर्वशक्तिकान से शक्ति भरने से दृढ़ता अपने संकल्पों में आ जायेगी। क्योंकि जब रियल तपस्या करनी है तो रियल तपस्या का आधार क्या है? तपस्या किसको कहा जाता है? तपस्या माना ही दृढ़ता सम्पन्न अभ्यास। जिस तरह भक्ति मार्ग के अन्दर प्रह्लाद को दिखाते हैं कि परमात्मा को पाने का दृढ़ संकल्प कर लिया कि एक टांग पर खड़ा हो जाऊंगा। तो एक टांग पर खड़े होने का दृढ़ संकल्प लिया तो उसी से प्राप्ति होती है। बिना दृढ़ संकल्प के प्राप्ति नहीं होती। उस समय उसने उस दृढ़ संकल्प में ये नहीं लाया कि बारिश आयेगी तो मैं अन्दर खड़ा रहूंगा। घर के अन्दर जाकर या महल के अन्दर जाकर एक टांग पर खड़ा हो जाऊंगा। चाहे बारिश आये, तूफान आये कुछ भी हो मच्छर काटे या कुछ भी हो लेकिन मैं अपनी दृढ़ता से हिलने वाला नहीं हूँ इसको कहते हैं तपस्या। तो तपस्या कभी भी सहूलियत के आधार पर नहीं होती है। जहाँ हमने अपने लिए सहूलियत बनाना शुरू किया कि ये होगा तो करेंगे, ऐसा होगा तो ये करेंगे

इस तरह से अगर हमने अपनी तपस्या को शुरू किया तो तपस्या कभी होगी ही नहीं। और दृढ़ता सम्पन्न अभ्यास नहीं तो प्राप्ति नहीं। तो इसलिए बाबा से सकाश लेना माना उस सर्वशक्तिकान की शक्ति जब हम प्राप्त करते हैं तो अपने संकल्पों को हम मजबूत करते हैं, पॉवरफुल बनाते हैं। क्योंकि संकल्पों से ही सिद्धि मिलती है। तो संकल्पों

सवरे बाबा से लाइट और माइट की किरणें लेकर अपना रास्ता, अपना मार्गदर्शन स्पष्ट कर दें। तो लाइट हाउस, माइट हाउस की स्थिति में स्थित रहेंगे उतना बाबा जो पॉवरफुल सूर्य है वो सूर्य उस लाइट हाउस, माइट हाउस में शक्ति भी भरेगा, सकाश भी भरेगा और आगे के लिए हमारा मार्गदर्शन क्लियर हो जायेगा कि पुरुषार्थ की दिशा किस तरह की हमारी होनी चाहिए।

को पॉवरफुल बनाना बहुत जरूरी है। संकल्पों में दृढ़ता भरना बहुत जरूरी है क्योंकि हमारी तभी रियल तपस्या शुरू होगी। और उस तपस्या का अनुभव नहीं हो सकता।

चौथी बात, बाबा कहते हैं कि बाबा से सकाश लेना माना कल्प वृक्ष के तने में बैठ जाना। तने में बैठना माना बीज के साथ हमारा कनेक्शन। जिस तरह से एक बीज, बीज क्या करता है, ज़मीन से वो खुराक लेकर पत्ते-पत्ते तक पहुंचाता है। हरेक पत्ते को नरिशमेंट मिलती है। तो इसी तरह तने में बैठना इसीलिए बाबा ने कल्प वृक्ष के तने में बैठाया ब्राह्मणों को। और एक ब्रह्मा ऊपर में खड़ा है। तो बाबा से डायरेक्ट कनेक्शन तो बाबा से सकाश लेकर वो पत्तों को परवरिश भी दे रहा है और नीचे से बीज से सकाश लेकर हम बच्चों की पालना कर रहा है।

अभी भी सूक्ष्म पालना हमारी कौन कर रहा है? वो ब्रह्मा माँ कर रही है। इसीलिए बाबा ने कहा कि वो बाप भी है तो माँ भी है। तो उस माँ के द्वारा पोषण भी अभी तक प्राप्त हो रहा है। ये पोषण मिलना यही सकाश है। तो एक तो योग लगाकर शिवबाबा से डायरेक्ट हम ले रहे हैं। दूसरा ब्राह्मण होने के नाते ब्रह्मा माँ से परवरिश ले रहे हैं। तो दोनों तरफ सकाश प्राप्त हो रही है। शक्ति प्राप्त हो रही है। जिस शक्ति से ही हम दूसरी आत्माओं को भी सहयोग दे सकेंगे।

- क्रमशः



जोधपुर-राज.। से.17 चौपासनी हाउसिंग बोर्ड स्थित ब्रह्माकुमारीज के शिव वरदानी भवन सेवाकेन्द्र में शिव जयंती के अवसर पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत के आने पर सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शील दीदी एवं ब्र.कु. मीनू बहन ने गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया।



बिजनौर-उ.प्र.। ब्रह्माकुमारीज द्वारा महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में बैराज पेट्रोल पंप के पास आयोजित कार्यक्रम में एडवोकेट धर्म सिंह राज्यमंत्री सदस्य दिव्यांगता विभाग उत्तर प्रदेश, पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन, रजत सिंह सी.ए. व उनका परिवार, ब्र.कु. सुदेश बहन, ब्र.कु. साधना बहन, ब्र.कु. सरिता बहन, ब्र.कु. जगपाल, ब्र.कु. प्रवेश दीदी, सुकरताल सहित अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।



दिनहाटा-कूच बेहर(प.बंगाल)। महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में आध्यात्मिक कार्यक्रम के पश्चात् टिकम चंद वैद्य, प्रेसिडेंट, जैन सोसायटी, परमिता सरकार, प्रिंसिपल, पब्लिक स्कूल, धर्मेश्वर सुरानी, प्रेसिडेंट, अनुव्रत समिति व आतिथियों को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सम्पा बहन।



सांगानेर-जयपुर(राज.)। महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज द्वारा एयरपोर्ट पर सिद्धार्थ होटल में आयोजित 'जीवन के रंग प्रभु के संग' कार्यक्रम के दौरान सहायक पुलिस आयुक्त विनोद कुमार शर्मा को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्रह्माकुमारीज की सबजोन इंचार्ज राजयोगिनी ब्र.कु. पूनम दीदी, स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. पूजा बहन तथा ब्र.कु. आरती बहन।



नई दिल्ली। ब्रह्माकुमारीज के सत्कार भवन, अशोक विहार सेवाकेन्द्र द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. पीयूष भाई। कार्यक्रम में शहर के लगभग 100 वरिष्ठ नागरिक शामिल हुए।



सिकंदरा-उ.प्र.। महाशिवरात्रि के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए नगर अध्यक्ष बहन सीमा पाल, ब्र.कु. ममता बहन, समाजसेवी शिवशंकर भाई व अशोक पुरवार।



टूंडला रामनगर-आगरा(उ.प्र.)। त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव में दीप प्रज्वलित करते हुए आगरा सबजोन उप सचिव ब्र.कु. अश्विना, ब्र.कु. रजनी, ब्र.कु. विजय, ब्र.कु. सीमा, ब्र.कु. राम, ओएनजीसी के इंफर्मेंट डायरेक्टर प्रो. डॉ. प्रभाकर राय, ब्लॉक प्रमुख खंदोली आशीष शर्मा, जिला महामंत्री भाजपा दीपक चौधरी, प्रबंधक आवासीय वृद्ध आश्रम अनमोल शर्मा, ब्यूरो चीफ दैनिक जागरण पुनीत रावत, सुरेश चंद्र प्रेमी, नेचरोपैथी, संत श्री धीर बाबा महाराज, अयोध्या वाले, पूर्व जिला अध्यक्ष वृंदावन लाल गुप्ता, नगर मंत्री राजेश अग्रवाल तथा अन्य।



मथुरा-रिफाइनरी नगर(उ.प्र.)। मथुरा रिफाइनरी में आयोजित 38वें फ्लावर शो महोत्सव में इंडियन ऑयल द्वारा कर्मचारियों के बेहतर स्वास्थ्य के लिए '4 आर 4 यू' प्रोग्राम की लॉन्चिंग हुई। इसी अभियान के तहत ब्रह्माकुमारीज द्वारा जनमानस को बेहतर स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए ज्ञानवर्धक एवं मनमोहक प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी का शुभारंभ मथुरा रिफाइनरी के कार्यकारी निदेशक अजय तिवारी एवं वृंदा क्लब अध्यक्ष श्रीमती मीना तिवारी ने फीता काटकर किया। इस मौके पर स्थानीय ब्रह्माकुमारीज सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. कृष्णा दीदी, रिफाइनरी में सीजीएम सुधांशु कुमार, सीजीएम भास्कर हजारीका, जीएम गोपीनाथ जी, ऑफिसर एसोसिएशन के सचिव रविंद्र यादव, मथुरा कर्मचारी संघ के अध्यक्ष शैलेंद्र शर्मा, सचिव मुकेश शर्मा, संयोजक आलोक कुमार आदि उपस्थित रहे।

सेल्फ हेल्प



कभी भी आलोचना को खुद पर हावी न होने दें

उन नाखुश करने वाले लोगों से आप दूर रहें अपने मन को सकारात्मक बनाने का प्रण लें। जहाँ से सकारात्मक ऊर्जा मिलती है उन्हें पढ़ें-लिखें। सामान्य चीजों में आनंद लें। परिस्थितियों का श्रेष्ठ इस्तेमाल करें। किसी के पास बस कुछ नहीं होता। कला ये है कि हँसी और खुशी को आँसुओं से ज़्यादा कैसे बनाया जाए। आप सबको खुश नहीं कर सकते। आलोचना को हावी न होने दें। वो करें जिसे करने में आनंद आता है। आनंद में वृद्धि होती हो। गुस्से को न पालें। उन लोगों से दूर रहें जो नाखुश करते हैं।

सफलता का रास्ता मेहनत से निकलता है धैर्य रखकर ही मुश्किलों का सामना किया

जा सकता है। दृढ़ता कभी न हार मानने की ताकत देती है। लक्ष्य हासिल करने के लिए इनकी जरूरत पड़ती है। कई लोगों में इन दोनों की कमी होती है। लोगों को सफलता चाहिए, लेकिन मेहनत और त्याग नहीं करना चाहते। नतीजा ये कि आसानी से हार मान लेते हैं। सफलता का रास्ता मेहनत और असफलता से होकर निकलता है।

हर सुबह की शुरुआत इन दो शब्दों से करें अगर आप कामयाब होना चाहते हैं, उम्मीद रखते हैं, तो कामयाब हो जायेंगे। अगर आप खुश और लोकप्रिय होना चाहते हैं तो आप खुश और लोकप्रिय होते हैं। अगर आप स्वस्थ और समृद्ध होना चाहते हैं तो आप स्वस्थ और समृद्ध हो जायेंगे। भविष्य के बारे

में हमेशा सकारात्मक सोचें और बोलें। सुबह की शुरुआत इन दो शब्दों से करें कि- 'मुझे विश्वास है आज मेरे साथ बहुत अच्छा होगा।'

लंबे, सुखी व स्वस्थ जीवन की गारंटी है मनपसंद काम

सेहतमंद जीवन की खोज में हमने अनजाने ही जीवन के लिए अति आवश्यक, सबसे महत्वपूर्ण तथ्य को ही खो दिया है। ये तथ्य है कि वह काम जिसको करके हम खुश होते हैं। शोध बताते हैं कि लंबी उम्र और मनपसंद कार्य में सीधा सम्बन्ध होता है। अगर किसी काम में मजा आ रहा है, तो उसे हमेशा करते रहें। यह लंबे, सुखी और स्वस्थ जीवन की सर्वश्रेष्ठ गारंटी है।